Dainik Bhaskar (Indore), 25th May 2025, DB Star, Page – 02

सिटी जैम्स

पोलियो होने पर भी ब्रजेश द्विवेदी ने हौसले दम पर भरी सफलता की उड़ान

कपड़े व प्लास्टिक की बॉल से खेल की शुरुआत कर भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम के कप्तान बने

डीबी स्टार, इंदौर।

शारीरिक असमर्थता कभी हौसलों की उड़ान नहीं रोक सकती है। इसका उदाहरण ब्रजेश द्विवेदी हैं। डेढ़ साल की उम्र में पोलियो का शिकार होने से बायां पैर खराब हो गया, लेकिन उन्होंने हिम्मत और अपनी मेहनत के बलबूते न सिर्फ भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम में जगह बनाई, बल्कि दूसरे खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत भी बन गए। लकड़ी के बल्ले और कपड़े की गेंद से खेल की शुरुआत की और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व किया।

ब्रजेश का बचपन चुनौतियों से भरा रहा। चलने में हाथों का सहारा लेना पड़ता था, लेकिन मां के संघर्ष और पिता की मेहनत ने उन्हें हारने नहीं दिया। पिता राज्य परिवहन में कंडक्टर थे और सात लोगों का परिवार उन्हीं पर निर्भर था। स्कूल की फीस भरना तक कठिन था। ऐसे में क्रिकेट का सामान खरीदना सपना लगता था। प्लास्टिक बॉल, लकड़ी का बैट और कपड़े की गेंदों से खेलते हुए ब्रजेश ने अपने जुनून को जिंदा रखा और सफलता का मुकाम हासिल किया।

सुबह 3.30 बजे 6 किमी साइकिल चलाकर स्टेडियम जाना... सुबह 3.30 बजे उठकर 6 किमी साइकिल चलाकर स्टेडियम जाना, खुद पिच तैयार करना। दिनभर की मेहनत का ये सिलसिला लगभग 10 वर्षों तक चला। दौड़ने में असमर्थ होने पर भी गेंदबाजी में माहिर ब्रजेश ने लेफ्ट आर्म स्पिन गेंदों से विरोधियों को अक्सर चौंकाया। धीरे-धीरे पहचान बनी और वे गांव-शहरों में सम्मानित होने लगे।

1999 में प्रदेश टीम के लिए दिया ट्रायल... जब सामान्य क्रिकेट में आगे बढ़ना कठिन होता दिखा, तो ब्रजेश ने दिव्यांग क्रिकेट की राह पकड़ी। 1999 में मप्र टीम के लिए भिलाई में ट्रायल दिया और सिलेक्ट हुए। 2003 से 2007 तक मध्य रेलवे से खेलते हुए तमिलनाडु के खिलाफ 57 रनों की पारी खेली। 2008 में प्राइवेट कंपनी में नौकरी शुरू की, लेकिन क्रिकेट से नाता नहीं तोड़ा।

सम्मान और पुरस्कारों का सिलसिला

- दिव्यांग क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ऑफ इंडिया ने 2025 में 'श्रेष्ठ बैटर ऑफ द ईयर 2024' से सम्मानित किया।
- सतना गौरव सम्मान 2023 ।
- जनवरी 2020 को 'खेल अलंकरण सम्मान'।
- मध्यप्रदेश खेल रत्न 2019 अवॉर्ड।
- इंडियाज शाइनिंग स्टार अवॉर्ड 2019।
- इंडिया स्टार पैशन अवॉर्ड 2019।
- दिव्यांग रत्न 2018।
- 'स्वच्छ भारत अभियान ब्रांड एंबेसडर, सतना

आईआईटी इंदौर से मिली नई उड़ान... 2014 में आईआईटी इंदौर में चयन हुआ। यहां से उनका करियर फिर रफ्तार पकड़ने लगा। 2017 में अजमेर में राष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया और भारत-बांग्लादेश मैत्री कप के लिए चयन हुआ। तब से वे भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम का हिस्सा हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कप्तानी और उपलब्धियां... ब्रजेश 2021 में शारजाह (यूएई) में दिव्यांग प्रीमियर लीग में मुंबई आइडियल्स के कप्तान रहे। दिसंबर 2023 में नेपाल के खिलाफ पहले अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग टेस्ट मैच में भारत के कप्तान बने और दूसरी पारी में टीम को चार विकेट लेकर जीत दिलाई।

प्रदेश में दिव्यांग क्रिकेटर्स को नया जीवन... ब्रजेश ने प्रदेश में दिव्यांग क्रिकेट को संरचना देने की ठानी। 2019 में मंदसौर में पहला ट्रायल आयोजित किया। अप्रैल 2021 में जबलपुर में राज्य स्तरीय दिव्यांग प्रीमियर लीग का आयोजन किया।

इस तरह चला कॅरियर का ग्राफ

- **अप्रैल 2021** : दिव्यांग प्रीमियर लीग (डीपीएल), शारजाह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम दुबई में मुंबई आइडियल्स टीम के कप्तान, 'मैन ऑफ द मैच' का खिताब जीत और टीम को सेमीफाइनल तक पहुंचाया।
- **दिसंबर 2023** : भारत-नेपाल टेस्ट सीरीज डीसीसीबीआई कप में भारतीय दिव्यांग टेस्ट टीम के कप्तान। भारत ने नेपाल को पराजित किया।
- **फरवरी 2019** : भारत-नेपाल श्रृंखला (तपन ट्रॉफी), आगरा।
- **अप्रैल 2018** : त्रिकोणीय श्रृंखला (टाटा स्टीलियम कप) कोलकाता।
- **फरवरी 2018** : भारत-नेपाल सीसीएल कप, रांची। भारत ने श्रृंखला 3-0 से जीती।
- **नवंबर 2017** भारत-बांग्लादेश (मैत्री कप)
- **अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट टूर्नामेंट, कोलकाता,** भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व।
- **सितंबर 2022** में बांग्लादेश में बंगबंधु कप में भारत का प्रतिनिधित्व